Syllabus B.A. Ist & IInd Semester Hindi NEP 2023-24

B.A. Ist Semester –

CORE COURSE I- HIN5001T हिन्दी साहित्य का इतिहास

AECC - AEN5111T हिन्दी भाषा, व्याकरण और संप्रेषण (For Arts Faculty)

B.A. IInd Semester –

CORE COURSE I - HIN5002T मध्यकालीन हिन्दी कविता

AECC- AEN5211T- हिन्दी भाषा, व्याकरण और संप्रेषण (For Commerce Faculty)

AEN5311T- हिन्दी भाषा, व्याकरण और संप्रेषण (For Science Faculty)

Core Course I

Semester I

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Contact Hour/week-06

Contact Hour/semester-90 पूर्णांक – 70 अंक

Credits Assigned-06 समय – 3 घण्टे

Paper Code-HIN5001T

Objective

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को हिंदी साहित्य के इतिहास का अध्ययन करवाना है। ताकि विद्यार्थी समाज में होने वाले परिवर्तनों को साहित्य के माध्यम से जान सके और यह जान सके कि किस प्रकार साहित्य समाज का दर्पण होता है।

Outcome

पाठ्यक्रम करने के पश्चात् विद्यार्थी इनमें सक्षम होगा - हिन्दी साहित्य के वर्गीकरण के आधारभूत कारणों को समझ पायेगा। प्रत्येक कालखंड के नामकरण के प्रमुख आधारों के महत्त्व को समझ पायेगा। आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि को साहित्य के माध्यम से समझ सकेगा। छात्र खड़ी बोली के उद्‌भव एवं विकास को समझ पाएगा। कालखंड के आधार पर होने वाले भाषिक परिवर्तनों को भी समझ पायेगा।

इकाई 1. **हिन्दी साहित्य का आदिकाल** - काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन परिस्थितियाँ, साहित्य का वर्गीकरण, आदिकालीन प्रमुख काव्यधाराओं (सिद्ध, नाथ एवं जैन) का परिचय एवं वैशिष्ट्य, प्रमुख रासो काव्य– परिचय, विशिष्ट एवं प्रमुख कवि, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई 2. **भक्तिकाल** - सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन्तकाव्य कावय धारा की प्रमुख काव्य प्रवृतियाँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, सूफी काव्य धारा की प्रमुख प्रवृतियाँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, रामभक्ति काव्य धारा की प्रमुख काव्य प्रवृतियाँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, कृष्ण भक्ति काव्य धारा की प्रमुख काव्य प्रवृतियाँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई 3. **रीतिकाल** - रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध कवि, रीतिसिद्ध कवि एवं रीतिमुक्त कवि और उनके काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।

इकाई 4. **आधुनिककाल** - 1857का स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग की काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, महावीर प्रसाद द्विवेदी युग की काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, मैथिलिशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, नई कविता – सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ।

इकाई 5. **हिन्दी की प्रमुख गद्य विधाएँ** - उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना, आत्मकथा,जीवनी, एकांकी, संस्मरण व रेखाचित्र का उद्‌भव और विकास।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित पाँच आलोचनात्मक प्रश्न (कुल पाँच) (शब्द सीमा 500 शब्द) 5 X 10 = 50 अंक

सहायक पुस्तकें .

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
2 हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास- गुलाबराय
3 हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
4 हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपादक डॉ नगेन्द्र
5 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह
6 हिन्दी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्विवेदी
7 हिन्दी साहित्य: उद्‌भव और विकास- हजारी प्रसाद द्विवेदी

AEC Course
Semester I
हिन्दी भाषा व्याकरण और संप्रेषण
(Faculty of Arts)

Contact Hour/week-02
Contact Hour/semester-30 पूर्णांक – 70 अंक
Credits Assigned-02 समय – 3 घण्टे
Paper Code- AEN5111T

Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी भाषा की परिभाषा एवं परिचय के साथ उसकी व्याकरणिक विशेषताओं की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेगा। विद्यार्थी हिन्दी भाषा की वर्ण व्यवस्था आदि व्याकरणिक आधारों का परिचय प्राप्त कर सकेगा। भाषा के उच्चारण, लेखन तथा पठन में शुद्ध रूप का प्रयोग कर अपने कार्य क्षेत्र में भाषा के माध्यम से अपनी योग्यता सिद्ध कर सकेगा।

Outcome

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी इनमें सक्षम होंगे - भाषा और उसकी उत्पत्ति के मूल सिद्धांतों अवधारणाओं से परिचित हो भाषिक परिवर्तनों को समझने में सक्षम होगा। हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, व्याकरणिक विशेषता तथा उसके विकास क्रम को समझ सकेगा। वर्णों के भेदों व उच्चारण स्थानों का ज्ञान प्राप्त कर लेखन व उच्चारण में शुद्धता लायेगा। प्रभावी संप्रेषण का महत्त्व समझने के साथ - साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पाठन में भी सक्षम होगा। विभिन्न प्रकार के पत्र लेखन शैलियों से परिचित हो उसका उपयोग करेगा।

इकाई 1 भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
हिन्दी भाषा की विशेषताएँ:- क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी
हिन्दी की वर्ण.व्यवस्था

इकाई 2 संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय

इकाई 3 भाषा संप्रेषण के चरण:. श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
हिन्दी वाक्य रचनाए वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।
भावार्थ और व्याख्या, आलेख लेखन, पत्र लेखन- प्रार्थना पत्र, आवेदन पत्र, शिकायती पत्र, अभिनंदन पत्र, व्यावसायिक पत्र।

इकाई 1 एवं 2 के 20–20 अंक है (कुल 40 अंक)
इकाई 3 के 30 अंक है (कुल 30 अंक)

सहायक पुस्तकें

1 हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
2 मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी
3 संक्षेपण और पल्लवन - कैलाश चन्द भाटिया, तुमन सिंह
4 पत्र व्यवहार निर्देशिका - भोलानाथ तिवारी, विजय कुलश्रेष्ठ
5 राजकाज में हिन्दी - हरदेव बाहरी
6 व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना - हरदेव बाहरी

Core Course II

Semester II

मध्यकालीन हिन्दी कविता

Contact Hour/week-06

Contact Hour/semester-90 पूर्णांक – 70 अंक

Credits Assigned-06 समय – 3 घण्टे

Paper Code-HIN5002T

Objective

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को हिंदी साहित्य के भक्ति एवं रीतिकाल अर्थात् मध्यकाल का अध्ययन करवाना है ताकि विद्यार्थी मध्यकालीन परिवेश, भाषा, संस्कृति आदि के साथ ही प्रमुख कवियों की चिंतन शैली आदि को समझ सके।

Outcome

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी इनमें सक्षम होगा. मध्यकालीन कवियों की समाज एवं साहित्य में रही मुख्य भूमिका को समझ पाएगा, भारतीय दर्शन एवं भक्ति के प्रकारों को समझ पाएगा, भक्तिकाल एवं रीतिकाल की लेखन शैली में आए परिवर्तनों को कबीरदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास तथा बिहारी एवं घनानंद के माध्यम से समझ पाएगा। निर्गुण एवं सगुण भक्ति के दर्शन को समझ पाएगा। छंद एवं अलंकारों के माध्यम से मध्यकालीन कविता के काव्य सौन्दर्य को समझ सकेगा।

इकाई 1. **कबीरदास** - व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - सम्पूर्ण

आलोचनात्मक अध्ययन-कबीर की काव्यकला, कबीर की भक्ति भावना, कबीर का समाज दर्शन, कबीर का सुधारवादी दृष्टिकोण

इकाई 2. **जायसी** - व्याख्या - निर्धारित काव्यांश -सम्पूर्ण

आलोचनात्मक अध्ययन - जायसी का काव्य सौष्ठव, जायसी का प्रेम वर्णन, जायसी का विरह वर्णन।

सूरदास - व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - पद संख्या 23 से 52

आलोचनात्मक अध्ययन - सूर की भक्ति भावना, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर का विरह वर्णन, सूर का काव्य सौष्ठव ।

इकाई 3. **तुलसीदास** - व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - सम्पूर्ण

आलोचनात्मक अध्ययन - तुलसी की काव्यकला, तुलसी की भक्ति भावना, लोकनायक तुलसी की समन्वय भावना ।

इकाई 4. **बिहारी** - व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - सम्पूर्ण

आलोचनात्मक अध्ययन - बिहारी की काव्य कला, बिहारी के काव्य में श्रृंगार, नीति और भक्ति, बिहारी की सौंदर्य भावना ।

घनानंद - व्याख्या - निर्धारित काव्यांश -सम्पूर्ण

आलोचनात्मक अध्ययन . घनानंद की प्रेमानुभूति, घनानंद की विरहानुभूति, घनानंद का काव्य सौष्ठव ।

इकाई 5. **छन्द - अलंकार** (सामान्य परिचय)

- निर्धारित अलकार - अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रान्तिमान, संदेह, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त, विरोधाभास, असंगति (कुल 12)
- निर्धारित छन्द - दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, उपेन्द्रवज्रा, मदिरा सवैया, मत्तगयन्द सवैया, दुर्मिल सवैया, मनहरण, देवघनाक्षरी (कुल 12)

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई 1,2,3,4 में से (प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित दो) कुल चार व्याख्या(शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 4 = 20 अंक । और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनातम्क प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 10 = 30 अंक

निर्धारित पुस्तकें

1 मध्यकालीन कविता का पाठ - (सं.) डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2 अलंकार पारिजात - नरोत्तमदास स्वामी, लक्ष्मीनारायणलाल प्रकाशन, आगरा

सहायक पुस्तकें

1 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - रामकुमार परमार

2 प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्वारिका प्रसाद सक्सेना

AEC Course
Semester II
हिन्दी भाषाए व्याकरण और संप्रेषण
(Faculty of Commerce)

Contact Hour/week-02
Contact Hour/semester-30 पूर्णांक – 70 अंक
Credits Assigned-02 समय – 3 घण्टे
Paper Code- AEN5211T

Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी भाषा की परिभाषा एवं परिचय के साथ उसकी व्याकरणिक विशेषताओं की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेगा। विद्यार्थी हिन्दी भाषा की वर्ण व्यवस्था आदि व्याकरणिक आधारों का परिचय प्राप्त कर सकेगा। भाषा के उच्चारण, लेखन तथा पठन में शुद्ध रूप का प्रयोग कर अपने कार्य क्षेत्र में भाषा के माध्यम से अपनी योग्यता सिद्ध कर सकेगा।

Outcome

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी इनमें सक्षम होंगे - भाषा और उसकी उत्पत्ति के मूल सिद्धांतों अवधारणाओं से परिचित हो भाषिक परिवर्तनों को समझने में सक्षम होगा। हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, व्याकरणिक विशेषता तथा उसके विकास क्रम को समझ सकेगा। वर्णों के भेदों व उच्चारण स्थानों का ज्ञान प्राप्त कर लेखन व उच्चारण में शुद्धता लायेगा। प्रभावी संप्रेषण का महत्त्व समझने के साथ - साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पाठन में भी सक्षम होगा। विभिन्न प्रकार के पत्र लेखन शैलियों से परिचित हो उसका उपयोग करेगा।

इकाई 1 भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
हिन्दी भाषा की विशेषताएँ:- क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी
हिन्दी की वर्ण.व्यवस्था

इकाई 2 संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय

इकाई 3 भाषा संप्रेषण के चरण:. श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
हिन्दी वाक्य रचनाए वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।
भावार्थ और व्याख्या, आलेख लेखन, पत्र लेखन- प्रार्थना पत्र, आवेदन पत्र, शिकायती पत्र, अभिनंदन पत्र, व्यावसायिक पत्र।

इकाई 1 एवं 2 के 20–20 अंक है (कुल 40 अंक)
इकाई 3 के 30 अंक है (कुल 30 अंक)

सहायक पुस्तकें

1 हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
2 मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी
3 संक्षेपण और पल्लवन - कैलाश चन्द भाटिया, तुमन सिंह
4 पत्र व्यवहार निर्देशिका - भोलानाथ तिवारी, विजय कुलश्रेष्ठ
5 राजकाज में हिन्दी - हरदेव बाहरी
6 व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना - हरदेव बाहरी

AEC Course
Semester II
हिन्दी भाषाए व्याकरण और संप्रेषण
(Faculty of Science)

Contact Hour/week-02
Contact Hour/semester-30 पूर्णांक – 70 अंक
Credits Assigned-02 समय – 3 घण्टे
Paper Code- AEN5311T

Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी भाषा की परिभाषा एवं परिचय के साथ उसकी व्याकरणिक विशेषताओं की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेगा। विद्यार्थी हिन्दी भाषा की वर्ण व्यवस्था आदि व्याकरणिक आधारों का परिचय प्राप्त कर सकेगा। भाषा के उच्चारण, लेखन तथा पठन में शुद्ध रूप का प्रयोग कर अपने कार्य क्षेत्र में भाषा के माध्यम से अपनी योग्यता सिद्ध कर सकेगा।

Outcome

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी इनमें सक्षम होंगे - भाषा और उसकी उत्पत्ति के मूल सिद्धांतों अवधारणाओं से परिचित हो भाषिक परिवर्तनों को समझने में सक्षम होगा। हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, व्याकरणिक विशेषता तथा उसके विकास क्रम को समझ सकेगा। वर्णों के भेदों व उच्चारण स्थानों का ज्ञान प्राप्त कर लेखन व उच्चारण में शुद्धता लायेगा। प्रभावी संप्रेषण का महत्त्व समझने के साथ - साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पाठन में भी सक्षम होगा। विभिन्न प्रकार के पत्र लेखन शैलियों से परिचित हो उसका उपयोग करेगा।

इकाई 1 भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
हिन्दी भाषा की विशेषताएँ:- क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी
हिन्दी की वर्ण.व्यवस्था

इकाई 2 संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय

इकाई 3 भाषा संप्रेषण के चरण:. श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
हिन्दी वाक्य रचनाए वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।
भावार्थ और व्याख्या, आलेख लेखन, पत्र लेखन- प्रार्थना पत्र, आवेदन पत्र, शिकायती पत्र, अभिनंदन पत्र, व्यावसायिक पत्र।

इकाई 1 एवं 2 के 20–20 अंक है (कुल 40 अंक)
इकाई 3 के 30 अंक है (कुल 30 अंक)

सहायक पुस्तकें

1 हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
2 मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी
3 संक्षेपण और पल्लवन - कैलाश चन्द भाटिया, तुमन सिंह
4 पत्र व्यवहार निर्देशिका - भोलानाथ तिवारी, विजय कुलश्रेष्ठ
5 राजकाज में हिन्दी - हरदेव बाहरी
6 व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना - हरदेव बाहरी